ओम्शान्ति

कुमारो की विशेषतायें

जब सारी सृष्टि तमोप्रधान भ्रष्टाचारी, जड़जड़ीभूत अवस्था को प्राप्त कर चुकी होती है तब जगत नियन्ता, नवयुग रचता, विश्व विधाता, सद्गति दाता, सर्वशक्तिवान, परम कल्याणकारी त्रिकालदर्शी परमपिता परमात्मा कल्प के अन्त में सृष्टि को सम्पूर्ण परिवर्तन कर श्रेष्ठाचारी, सतोप्रधान बनाने हेतु इस विश्व धरा के रंगमच पर अवतरित होते हैं उस समय अगम अगोचर, निराकार परमात्मा को पहचानना बहुत ही मुश्किल होता है। जब तक वह अपना यथार्थ परिचय न बताये तब तक तो नामंमुकिन ही होता है और बताने पर भी सब नहीं पहचान पाते। बड़े-बड़े साइंसदान अपने सूक्ष्म से सूक्ष्म अति सूक्ष्मदर्शी यन्त्रों से जिसे नहीं देख सके, बड़े-बड़े विद्वान अपनी दूरदर्शी बुद्धि से भी जिसे न जान सके एवं महान से महान ऋषि-मुनि अपनी चमत्कारिक दृष्टि से भी जिसे पहचान न सके, जिनके लिए भक्ति में लोगों ने कितने व्रत, जप, तप, तीर्थ, सन्यास आदि किया। गला काटने को भी तैयार थे और अब उस प्रभु प्रियवर को न सिर्फ आप ने जाना, पहचाना परन्तु आपने उसको माना और उसकी श्रीमत मानकर उसके ही हो गये। ऐसे समय पर आपको बाबा से मिली परख शक्ति व विवेक शक्ति का कमाल है ऐसे श्रेष्ठ आत्माओं का हार्दिक स्वागत।

इस कलियुगी पतित तमोप्रधान सृष्टि में जहाँ माया का एक छत्र राज्य हो, ऐसे समय आपने उसे चैलेंज कर सम्पूर्ण पवित्रता का व्रत लिया, जिसे देख कर सन्यासी भी हैरान रह गये, आपकी इस वीरता को हम सलाम करते हैं।

पुराने भ्रष्टाचारी संसार, जिसमें चारों ओर विकारों का ही बोल-बाला हो, उस घोर अज्ञान तिमिर के समय में आपने जीवन को संयमी बनाने का बीड़ा उठाया, आपकी बहादुरी के आगे इस दुनिया की महान हस्तियाँ भी नतमस्तक हो गई, आपकी बहादुरी का हम हार्दिक सम्मान करते हैं।

जब परमात्मा पतन हो रहे समाज के परिवर्तन का यज्ञ रचते हैं तो तन-मन-धन से यज्ञ के सुरक्षा कवच बन सबसे आगे आप ही खड़े होते हो। आप जैसे महावीरों का दिल से बार-बार धन्यवाद करते हैं।

इस बन्धनों के जाल वाले संसार में निर्बन्धन, स्वतन्त्र जीवन प्राप्त करने वाले आप ही हो और इस कल्प के अन्त में तमोप्रधान सृष्टि में भी 700 ब्राह्मणों से उत्तम जीवन प्राप्त करने का लक (भाग्य) भी आपको ही प्राप्त है। 100% उमंग-उत्साह से भरपूर, नयी स्फूर्ति से लवरेज़, शक्तिशाली जीवन का आनन्द आप ही लेने वाले हो। दुनिया भर के बोझों की जिम्मेवारियों से मुक्त सालिम बुद्धि वाली जीवन, सदा समर्थ श्रेष्ठ हिम्मतवान अनमोल जीवन प्राप्त करने वाले लक्की कुमारों को लाखों-लाख बधाई हो, बधाई हो।

नित नये उमंग-उत्साह के साथ सेवाओं की गति को तीव्रता से अंतिम सोपान तक पहुँचाने के प्रयासरत आप अथक सेवाधारियों का हार्दिक अभिनंदन।

संसार में जब साधनों की अंधी दौड़ चल रही हो, माया अपना रॉयल रूप रच कर सबको अपना मुरीद बना रही हो, सोने का हिरन बनकर प्रचलित बड़े-बड़े नामीग्रामी सन्यासियों को भी ठग रही हो, और

आप ने उसके हर रूप को पहचान कर उससे मुक्त रह, त्यागी जीवन अपनाया जिसकी हम तहेदिल से प्रसंशा एवं सराहना करते हैं।

इस विनाशी साधनों से भरी चकाधौंध की मायावी नगरी में जब सब पर माया का जादू सिर चढ़ कर बोल रहा हो, टी.वी., फिल्मों की संक्रामक महामारी जब सबको अपने चपेट में ले रही हो, उस समय आपने साधना का कवच धारण कर न सिर्फ स्वयं को सेफ किया बल्कि अन्यात्माओं को भी इस महामारी से बचाने के लिए बीसों नाखुनों का जोर जी-जान से लगाने की इस हिम्मत को हम धन्यवाद करते हैं।

सृष्टि की गर्दन को जब रावण के आगोश का फंदा पूरा ही कस चुका हो, चकराने वाली चकाचौंध से जब छोटा-बड़ा हर व्यक्ति चकित हो रहा हो, उस समय आपने तपस्या के बल पर, साधना के चरम बिन्दू पर पहुँच कर वैराग्य की बुलन्दियों पर अडिग रहने वाले, उस महामानव सृष्टि के आदि पुरुष, प्रजापिता को अपना आदर्श मानकर, वैराग्यवान जीवन का पथ चुनकर इस कलियुगी संसार में न सिर्फ युवा जीवन का विकल्प खोजा, बल्कि तपस्वी जीवन अपना कर भटकती युवा पीढ़ी को जीवन जीने की नई दिशा दर्शायी। इस अज्ञान अन्धकार सृष्टि में विकारों की भूल-भूलैया में आप दीपक की भांति दैदीप्यमान हो जग को रोशन कर रहे हो। आपके इस प्रखर निर्णय व अटूट निश्चय की मुक्त कंठ से सराहना करते हैं।

जब धरती पर विकार हरेक की रग-रग में व्यापक हो चुका हो, उस विकारी वायुमण्डल को अपदस्थ करके आपने सम्पूर्ण पवित्रता का व्रत धारण कर उसके प्रभाव को दुनिया के सामने खुशी से चमकते चेहरे से अवगत कराया व अब भी करा रहे हो, जिससे बड़े-बड़े साइंसदान अपनी विचारधारा बदलने पर विवश हो गये। ऐसे असम्भव को सम्भव कर दिखाने वाले वन्डरफुल महानात्माओं, राजऋषियों, तपस्वी कुमारों का सम्मान करते हुए हमें गर्व हो रहा है। आपका जीवन प्रेरणीय, अनुकरणीय है। हमारी हार्दिक शुभ भावना है कि बाबा आपकी बुद्धि को सदा माया से बचाये, श्रेष्ठ बनाये रखे। कभी भी माया की नजर न लगे। आपकी लौकिक-अलौकिक जीवन सदा स्वस्थ एवं लम्बी हो। सदा भगवान की छत्रछाया में पलते, माया रावण से सुरक्षित रहो। सदा खुश रहो, मुस्कराते रहो, संगठित होकर सदा सेवा करते रहो, सदा अविनाशी कमाई करते रहो। दिन दूनी रात सौगुनी, यूँ ही उन्नति करते रहो। दिव्य गुणों की खूशबू फैलाते रहो। सदा सुखी रहो सबको सुखी करो।

मन में दृढ़ निश्चय इतना हो, हर मुश्किल पीछे हट जाये,
पुरुषार्थ में इतना दम खम हो, मंजिल भी खुद पे शरमाये।।

ओम्शान्ति